चिड़िया ने कहा

चिड़िया ने चहककर कहा
कि वो खुश है
किसी ने सुना ही नहीं
मैंने सुना
और मैं भी खुश हो गया

– कपिल पंचोली

चित्र: दिलीप चिंचालकर

"आज हम चुनाव के बारे में कुछ बातचीत करेंगे। क्या करेंगे?" शिक्षक ने पूछा।

सभी बच्चों ने चीखते हुए कहा, "चुनाव के बारे में बातचीत।"

"चुनाव के बारे में कौन-कौन जानता है? हाथ खड़े करो।"

पहले एक बच्चे ने हाथ खड़ा किया। फिर दूसरे ने। फिर तीसरे ने। इस तरह सभी बच्चों ने हाथ खड़े कर दिए।

चुनाव में सीमेंट की जाली भी बनाते हैं

प्रभात

शिक्षक ने पूछा, "सब चुनाव के बारे में जानते हो?"

"हाँsss जी ईsss!" सभी ने एक सुर में टेर लगाई।

अब शिक्षक ने एक-एक से पूछना शुरू किया, "अमिया खड़ी हो जाओ। बताओ, चुनाव के बारे में क्या जानती हो?"

अमिया खड़ी हो गई। मगर, बताया कुछ नहीं।

"तुमने तो कहा था तुम चुनाव के बारे में जानती हो?" शिक्षक ने उसके चेहरे को घूरते हुए पूछा।

"मैंने कब कहा था?" अमिया ने पूछा।

"मैंने पूछा तब हाथ खड़ा नहीं किया था तुमने?"

"किया था।" अमिया ने हामी भरते हुए कहा, "खुशबू ने भी तो हाथ खड़ा किया था।"

"खुशबू कुँए में गिरेगी तो क्या तू भी गिरेगी?"

"नहीं?" अमिया ने जवाब तो दे दिया मगर उसे समझ में नहीं आया कि खुशबू कुँए में क्यों गिरेगी?

"बैठ जाओ।" शिक्षक ने कहा और पूछने लगे, "अच्छा, यह बताओ चुनाव होते देखे हैं कभी?"

"हाँ, देखे हैं।" नज़मा ने कहा।

"कैसे होते हैं?"

"बजरी से, सीमेंट से, ईंट से, पत्थर से।" नज़मा ने बताया।

"पलस्तर करते हैं। मसाला मिलाते हैं।" शहज़ाद ने नज़मा के जवाब को आगे बढ़ाते हुए कहा।

"चुनाव में सीमेंट की जाली भी बनाते हैं।" मुनाम ने बताया।

"मैंने तो आज ही देखा था। जब मैं स्कूल आ रही थी, रास्ते में एक मकान की चुनाई हो रही थी।" अमिया ने बताया।

"मैं चुनाव के बारे में पूछ रहा हूँ, न कि चुनाई के बारे में?"

"चुनाव के बारे में।" सब बच्चे फिर एक सुर में चीखे।

"अच्छा पंचायत के बारे में बताओ? कौन बताएगा?"

"पंचायत औरतें करती हैं?" अमिया ने बताया।

रयाना ने इस जवाब को आगे बढ़ाते हुए कहा, "हाँ जी, हमने भी देखा है औरतें नीम के नीचे बैठकर पंचायत करती हैं।"

"अच्छा वोट का नाम सुना है तुमने? वोट क्या होता है?"

"मेरे पापा अँगूठे से वोट छापते हैं तो अँगूठे पर स्याही का निशान बन जाता है।" रयाना ने बताया।

"नहीं, लाल बटन दबाते हैं मशीन से तब वोट होता है।" नज़मा ने बताया।

"लाल बटन दबाने से बोरिंग मशीन चलती है और नल में पानी आता है।" अमिया बोली।

तभी घण्टी बजी। शिक्षक फुर्ती के साथ कक्षा से निकल गए।

रिपोर्टर बनोगे?

लोकसभा के चुनाव होने को हैं। हर तरफ इस चुनाव की ही चर्चा हो रही है। अलग-अलग पार्टियों के उम्मीदवार सभाएँ कर रहे हैं। अपने और अपनी पार्टी को वोट देने की अपीलें कर रहे हैं। जीपों, गाड़ियों में बड़े-बड़े माइक लग गए हैं। कुछ साल पहले चुनाव के दौरान दीवारें चुनावी पोस्टरों से पट जाती थीं। चुनाव आयोग की बन्दिश की वजह से आजकल तुम्हें दीवारों पर इक्के-दुक्के पोस्टर ही दिखते होंगे। चुनावी पर्चे तो अब भी बँटते हैं। इन पर्चों में उम्मीदवार बताते हैं कि अगर ये चुनाव जीते तो कौन-कौन से काम करवाएँगे। चुनाव के दौरान कभी-कभी यह भी सुनने में आता है कि फलाँ उम्मीदवार ने कम्बल, रुपए आदि बाँटे। ताकि वो उसके पक्ष में वोट दें। पार्टियाँ बताती हैं कि उनके सत्ता में आने से लोगों को क्या-क्या फायदे होंगे। टीवी, रेडियो के मार्फत भी तो चुनाव प्रचार होता है।

क्या तुम अपने इलाके की चुनावी तैयारियों के बारे में हमें बताना चाहोगे? मसलन, चुनाव प्रचार में कौन-कौन से साधन इस्तेमाल किए जा रहे हैं? किन-किन तरीकों से उम्मीदवार अपने लिए वोट माँग रहे हैं? क्या तुम्हारे इलाके में दीवारों पर चुनावी पोस्टर लगे हैं? प्रचार के दौरान लगने वाले कुछ नारे भी याद करके लिख सकते हो। तुम चाहो तो अपनी रपट के साथ चुनावी माहौल को दिखाता कोई चित्र भी बना सकते हो। हमें तुम्हारी ये रपटें सत्रह अप्रैल तक मिल जानी चाहिए। पाँच बेहतरीन रपटों को मिलेंगी दो बहुत ही मज़ेदार किताबें।

रपट भेजने के लिए ये रहा हमारा पता...

चकमक, ई-10 शंकर नगर, बीडीए कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल-462016

चित्र: ललित अरोरा